

साल बोरर कीट के प्रकोप, उसके प्रभाव एवं प्रभावित वृक्षों के विदोहन उपरांत पुनरुत्पादन पर
एक दिवसीय कार्यशाला (23/10/2024)



साल बोरर कीट के प्रकोप, उसके प्रभाव एवं प्रभावित वृक्षों के विदोहन उपरांत पुनरुत्पादन उपचार पर विचार-विमर्श करने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश राज्य वन विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (ICFRE) की माननीय महानिदेशक श्रीमती कंचन देवी, भा.व.से., मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यशाला की अध्यक्षता मध्य प्रदेश के प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख (PCCF एवं HoFF) श्री शुभरंजन सेन ने की। कार्यक्रम में संस्थान की निदेशिका डॉ. फातिमा शिरीन एवं डॉ. नीलू सिंह, समूह समन्वयक (अनुसंधान) भा.व.आ.शि.प. ऊ.व.अ.स. ने विषय विशेषज्ञों के रूप में भाग लिया। डॉ. नितिन कुलकर्णी, निदेशक, भा.व.आ.शि.प.-व.व.अ.स ने अपनी सहभागिता विषय विशेषज्ञों के रूप में दी और अपने विचार साल बोरर प्रबंधन सम्बन्धी साझा किये। इसके अतिरिक्त भारतीय वन सेवा के वरिष्ठ अधिकारी डॉ. राम प्रकाश एवं डॉ. यू. प्रकाशम सहित वन विभाग के अन्य अधिकारियों ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया। माननीय महानिदेशक ने अपने उद्बोधन में साल वनों के महत्व, प्रारंभिक पहचान तकनीक, जैव विविधता के संरक्षण, मृदा एवं जल प्रक्रियाओं तथा वन-निर्भर समुदायों की आजीविका और वन-आधारित संसाधनों के संरक्षण एवं सतत उपयोग पर जोर दिया। ICFRE-FRI & TFRI संस्थानों के संशोधन प्रयासों, साल बोरर प्रबंधन सम्बन्धी तकनीकों एवं वैज्ञानिकों के प्रयासों की सराहना की। संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. मोहन सी और डॉ. राठोड दिग्विजय सिंह यू. ने सालबोरर कीट के प्रबंधन एवं वन संवर्धन प्रबंधन रणनीतियों पर व्याख्यान दिया।





MPFD Galaxy A15 5G
23 October 2026



MPFD Galaxy A15 5G
23 October 2026



MPFD Galaxy A15 5G
23 October 2026



